# राममय हुई राजधानी, दीयों से मंदिर रोशन

## अयोध्या के राम मंदिर में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ पर शहर के मंदिरों में हुई पूजा-अर्चना

**भोपाल, 22 जनवरी. अयोध्या में भगवान रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ पर गुरुवार को राजधानी भोपाल के मंदिरों, घरों में पूजा-अर्चना की गई. राम संकीर्तन हुए और भगवा ध्वज फहराए गए. इस दौरान शहर में मंदिरों को सजाया गया था. साथ ही दीप प्रज्वलित कर मंदिरों को रोशन किया गया. न्यू मार्केट स्थित श्री खेड़ापति हनुमान मंदिर में भगवान की पूजा अर्चना की गई और दीप जलाकर खुशियां मनाई गई.**

शहर के पुट्ठा मिल और निशातपुरा से भगवान राम की शोभायात्राएं निकाली गईं. जिसमें राम दरबार की आकर्षक झांकियां, भगवा ध्वज और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली. इधर, पुराने शहर के इतवारा स्थित प्राचीन छह कोड़ी मंदिर से हिंदू अखाड़ा महासंघ द्वारा ध्वज यात्रा निकाली गई. ध्वज यात्रा में बैंड, ढोल और बड़ी संख्या में भगवा ध्वज शामिल रहे. इसमें अखाड़े के युवा व बालक-बालिकाएं करतबों का प्रदर्शन करते हुए चल रहे थे. ध्वज यात्रा मंगलवारा, छावनी रोड सब्जी मंडी से होते हुए राम मंदिर गुरुबख्श की तलैया पहुंची. यहां मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष ओम मेहता की उपस्थिति में ध्वज पूजन किया गया और ध्वज को मंदिर शिखर पर चढ़ाया गया. न्यू मार्केट स्थित हनुमान मंदिर के राम दरबार में शाम को 251 दीपों से 'जयश्रीराम' लिखा गया. यहां राम नाम संकीर्तन का आयोजन भी हुआ. न्यू मार्केट खेड़ापति हनुमान मंदिर में महा आरती और संकीर्तन के दौरान 251 दीपों से 'जय श्रीराम' अंकित किया गया. पिपलानी पेट्रोल पंप के पास दोपहर 1 बजे विश्व हिंदू परिषद की ओर से सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए.

अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ पर न्यू मार्केट स्थित श्री खेड़ापति हनुमान मंदिर में दीप जलाकर खुशियां मनाई गई. इस दौरान 251 दीपों से जय श्रीराम अंकित किया गया.

**51 पुजारियों और बटुकों का सम्मान :** लालघाटी स्थित गुफा मंदिर में रामायण केंद्र की ओर से 51 पुजारियों और बटुकों का सम्मान किया गया. इससे पहले भगवान राम की पूजा-आरती हुई. गुरुबख्श की तलैया स्थित राम मंदिर में सुबह 9 बजे भगवान राम की पूजा-आरती की गई. पिपलानी, साउथ टीटी नगर और कमला नगर के राम मंदिरों में भी विशेष आरती और धार्मिक आयोजन हुए.

### कोलार के मुखर्जी स्टेडियम में आतिशबाजी

गुरुवार शाम को मुखर्जी नगर, कोलार स्थित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्टेडियम में आतिशबाजी की गई. इस दौरान 'जय श्रीराम' और 'सियाराम' के जयघोष से संपूर्ण स्टेडियम परिसर राममय हो गया. आतिशबाजी का आयोजन हुजूर विधानसभा क्षेत्र के विधायक रामेश्वर शर्मा द्वारा किया गया था.

# विराजीं मां सरस्वती, बसंत पंचमी आज

**भोपाल, 22 जनवरी. बसंत पंचमी पर शुक्रवार को विद्या की देवी मां सरस्वती का प्रकटोत्सव मनाया जाएगा. इसके एक दिन पहले गुरुवार को शहर में कई स्थानों पर मां सरस्वती की प्रतिमा की स्थापना की गई. पुराने शहर के सोमवारा मंदिर पर सुरताल भोपाल द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा स्थापित की गई. इस दौरान श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना कर आरती की. इस दौरान यहां स्कूली बच्चों ने पेंटिंग बनाई.**

रायसेन रोड पटेल नगर स्थित दादाजी धाम मंदिर में बसंत पंचमी के पावन अवसर पर शुक्रवार दोपहर 2:00 बजे से संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया जाएगा. आयोजन बागेश्वर धाम मातृशक्ति मंडल, भोपाल एवं दादाजी धाम परिवार के संयुक्त तत्वावधान में होगा. विद्यालय एवं महाविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा मां सरस्वती, चारों वेद, अठारह पुराण एवं शास्त्रों का पूजन किया जाएगा, इसके बाद प्रसाद वितरण होगा.

### बुंदेलखंड साहित्य परिषद का बुंदेली बसंत आज

**भोपाल 22 जनवरी.** बुंदेलखंड साहित्य परिषद द्वारा शुक्रवार को दोपहर 3 बजे से बुंदेली बसंत-26 का आयोजन परिषद के मुख्यालय वैशाली तिराहा स्थित, 75 चित्रगुप्त नगर, सभा भवन, कोटरा मार्ग पर किया जा रहा है. संयोजिका डॉ. आरती दुबे ने बताया कि बुंदेली वसंत में अनेक अतिथि कवि भी भागीदारी करने आ रहे हैं. समारोह की अध्यक्षता पद्मश्री कवि कैलाश मड़बैया करेंगे.

## एक नजर में

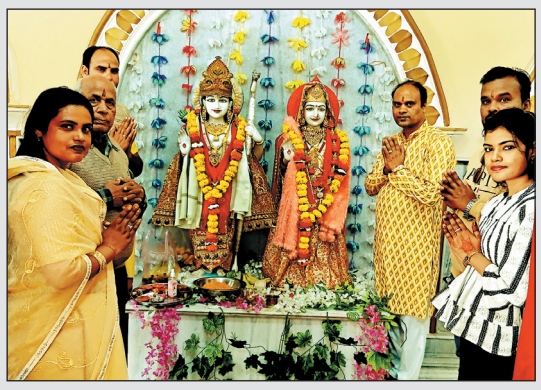

### भगवान राम, माता सीता का किया पूजन

**भोपाल, 22 जनवरी.** रायसेन रोड पटेल नगर स्थित दादाजी धाम मंदिर में गुरुवार को अयोध्या में विराजमान श्रीरामलला की प्राण-प्रतिष्ठा की द्वितीय वर्षगांठ एवं विनायक चतुर्थी के शुभ संयोग पर प्रथम पूज्य भगवान श्री गणेश, भगवान श्रीराम, माता सीता एवं हनुमान जी का वविधि-विधान से पूजन-अर्चन किया. इस अवसर पर राम संकीर्तन, रामरक्षा स्तोत्र एवं हनुमान चालीसा पाठ से संपूर्ण वातावरण भक्तिमय हो गया.

### डॉ. जवाहर कर्णावट का युवा समागम में सम्मान

**भोपाल, 22 जनवरी.** लेखक और वक्ता डॉ जवाहर कर्णावट को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित राष्ट्रीय युवा समागम में सम्मानित किया गया. ये सम्मान हिंदी के वैश्विक प्रचार प्रसार में विशेष योगदान के लिए उन्हें दिया गया. हंसराज कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित इस समागम में राष्ट्रीय संयोजक और प्राचार्य डॉ. रमा ने राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद के अध्यक्ष अनिल सहस्त्रबुद्धे सहित विद्वानों की उपस्थिति में डॉ. कर्णावट को शाल सम्मान पत्र और प्रतीक चिन्ह भेंट किया. कार्यक्रम में डॉ. कर्णावट ने आत्मनिर्भर भारत की नींव स्टार्टअप उद्यमिता और नवाचार विषय पर व्याख्यान दिया. दो दिवसीय इस समागम में देशभर के राजनेता शिक्षाविद उद्यमी और समाजसेवी शामिल हुए.

### प्रजापति समाज का विवाह सम्मेलन आज

**भोपाल, 22 जनवरी.** मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत प्रजापति संघ जिला भोपाल एवं समस्त प्रजापति समाज द्वारा शुक्रवार 23 जनवरी को सुबह 10 बजे से 27 जोड़ों का सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन समाज के श्रीराम मंदिर परिसर चांदबड़ में किया जा रहा है. सम्मेलन में संघ के अध्यक्ष भंवरलाल प्रजापति, श्रीराम मंदिर समिति अध्यक्ष हुकुमचंद प्रजापति, दिनेश प्रजापति, राधेश्याम प्रजापति, आनंद प्रजापति सहित समाज के अन्य लोगों द्वारा योगदान दिया जा रहा है.

# वीआईटी विश्वविद्यालय ने दान कीं 10 कुर्सियां

**भारतीय ज्ञान परंपरा और बहुविषयक शोध को मिलेगा नया विस्तार**

**भोपाल, 22 जनवरी. वीआईटी भोपाल विश्वविद्यालय ने उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत गुरुवार को सीहोर जिले के लसुड़िया खास ग्राम को 10 सीमेंट की कुर्सियां दान कीं. कार्यक्रम शंकर विश्वनाथन, वाइस प्रेसीडेंट, वीआईटी की उपस्थिति में हुआ. यह पहल सामुदायिक सहभागिता एवं ग्रामीण विकास के प्रति विश्वविद्यालय की निरंतर प्रतिबद्धता का हिस्सा है.**

यह दान ग्राम के महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्थलों पर बुनियादी सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के उद्देश्य से किया गया है, जिससे स्थानीय समुदाय को सहयोग मिल सके. यह पहल जमीनी स्तर पर आवश्यक जरूरतों को पूरा करने तथा आसपास के गांवों के कल्याण में योगदान देने के लिए विश्वविद्यालय के समर्पण को दर्शाती है. ग्राम में सुविधाओं के उन्नयन के माध्यम से सामूहिक अवसरों के दौरान ग्रामीणों को अधिक सुविधा और आराम उपलब्ध कराने का उद्देश्य है. आशा है कि यह योगदान समुदाय की आवश्यकताओं को प्रभावी ढंग से पूरा करेगा तथा समग्र सामुदायिक कल्याण में सकारात्मक भूमिका निभाएगा.

उन्नत भारत अभियान के माध्यम से वीआईटी भोपाल विश्वविद्यालय सामाजिक उत्तरदायित्व, सतत विकास और समावेशी प्रगति के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को निरंतर सुदृढ़ करता आ रहा है. विश्वविद्यालय ग्रामीण समुदायों के साथ निकटता से कार्य करते हुए सार्थक एवं दीर्घकालिक सामाजिक प्रभाव सृजित करने का प्रयास करता है.

वीआईटी भोपाल विश्वविद्यालय शिक्षा, अनुसंधान एवं सामाजिक सहभागिता में उत्कृष्टता के लिए प्रतिबद्ध है. उन्नत भारत अभियान जैसी राष्ट्रीय पहलों के माध्यम से विश्वविद्यालय ग्रामीण समुदायों के साथ साझेदारी कर सतत विकास और सामाजिक कल्याण को बढ़ावा देता है.

# मैनिट में टेक्नोसर्च का आगाज नवाचार-तकनीक का संगम

**भोपाल, 22 जनवरी. मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान में मैफिक एक्स टेक्नोसर्च 2026 का पहला दिन नवाचार और तकनीक वित्त और साइबर सुरक्षा से जुड़े प्रयोगों से शुरू हुआ. इस आयोजन में फिनिट के फिनस्पार्क में छात्रों ने वित्तीय खेलों के जरिए जीएसटी निवेश और कॉरपोरेट रणनीति जैसे विषयों को व्यवहारिक रूप में समझा.**

वहीं फिनटेक हैकथॉन में टीमों ने नई वित्तीय तकनीकी समाधानों पर काम भी शुरू किया. साइबर हंटर 2.0 में प्रतिभागियों ने हैकिंग चुनौतियों और प्रोग्रामिंग पहेलियों के जरिए अपनी तकनीकी क्षमता दिखाई. साथ ही प्रोडकॉन और डेटाबिज के कार्यक्रमों में उत्पाद सोच और डेटा आधारित कहानी प्रस्तुति पर छात्रों की रचनात्मकता भी उभरकर सामने आई.

इसके साथ ही न्यू लेक्चर थिएटर में मंथन 1.0 हैकथॉन में विभिन्न कॉलेजों की टीमों ने हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर नवाचार पर काम किया. इवॉल्व प्रदर्शनी में छात्रों के बनाए प्रोजेक्ट्स ने दर्शकों का ध्यान खींचा.

# बीयू और दत्तोपंत ठेंगड़ी शोध संस्थान में एमओयू

**ज्ञान परंपरा और बहुविषयक शोध को मिलेगा नया विस्तार**

**भोपाल, 22 जनवरी. बरकतउल्ला विश्वविद्यालय (बीयू), भोपाल और दत्तोपंत ठेंगड़ी शोध संस्थान (डीटीएसएस), भोपाल के मध्य अकादमिक एवं शोध सहयोग को सुदृढ़ करने के लिए एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए.**

यह समझौता समाज विज्ञान, मानविकी, विधि, प्रबंधन तथा भारतीय ज्ञान परंपरा सहित विभिन्न विषयों में संयुक्त शोध एवं शैक्षणिक गतिविधियों को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है. इस एमओयू का उद्देश्य दोनों संस्थानों के बीच उपलब्ध शैक्षणिक संसाधनों, शोध सुविधाओं एवं विशेषज्ञता का पारस्परिक उपयोग कर उच्च गुणवत्ता वाले समाजोपयोगी और नीति-आधारित अनुसंधान को प्रोत्साहित करना है.

यह समझौता दत्तोपंत ठेंगड़ी शोध संस्थान के निदेशक डॉ. मुकेश कुमार मिश्र तथा बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. समर बहादुर सिंह द्वारा संपन्न हुआ. इस अवसर पर बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. एस. के. जैन ने कहा कि यह समझौता विश्वविद्यालय और शोध संस्थान के बीच केवल औपचारिक सहयोग नहीं है, बल्कि भारतीय ज्ञान परंपरा को समकालीन अकादमिक विमर्श से जोड़ने की एक दूरदर्शी पहल है. उन्होंने कहा कि इस सहयोग से शोधार्थियों एवं शिक्षकों को नवाचारपूर्ण, मूल्यपरक और समाज-केंद्रित अनुसंधान के नए अवसर प्राप्त होंगे.

# थ्रीडी विजन के साथ झांकियों में दिखेगा विकसित भारत

## गणतंत्र दिवस की तैयारी...150 से अधिक कलाकार बना रहे 22 हाईटेक झांकियां

नवभारत प्रतिनिधि

**भोपाल, 22 जनवरी. देश के 77 वें गणतंत्र दिवस पर राजधानी में विकसित भारत 2047 की झांकियां लाल परेड मैदान में देखने को मिलेंगी, इसके लिए एमवीएम कॉलेज के मैदान में 150 से अधिक कारीगरों द्वारा विभिन्न योजनाओं पर आधारित 22 हाईटेक झांकियां तैयार की जा रही हैं.**

इन झांकियों को तैयार करने में थ्रीडी विजन का खास ध्यान रखा जा रहा है. वहीं झांकी को बनाने में केवल मिट्टी, पीओपी और प्लाई नहीं, बल्कि ऐसी घरेलू वस्तुओं का भी उपयोग किया जा रहा है. जिससे झांकी को वास्तविक और पर्यावरण हितैषी स्वरूप मिल सके.

> प्रदेश में 2047 तक वाइल्ड लाइफ की उपलब्धि जैसे सिंगल हॉर्न राइनो, जंगली भैंसा सहित 12-13 जानवरों को हमारी झांकियों में दिखाया जायेगा. इन्हें मिट्टी, घास, लकड़ी से तैयार कर रहे हैं. वास्तविक स्वरूप देने इसमें मास्किंग की जायेगी.
>
>
>
> **-राजीव दुबे,** कलाकार

> 14 जनवरी से हमारे 40 कारीगरों ने काम करना शुरू किया था. हम मेट्रो सिटी, खेल से युवाओं में आत्मनिर्भरता, जल जीवन मिशन जनजातीय समाज का सम्पूर्ण विकास और सिंचाई योजनाओं पर आधारित झांकियां तैयार कर हैं.
>
>
>
> **-एम.ए.अजीम,** कलाकार

### झांकियों का आकार और तकनीकी संरचना

हर झांकी ट्रैक्टर ट्रॉली पर बनाई जा रही है, जिसकी कुल लंबाई लगभग 45 फीट, चौड़ाई करीब 10 फीट और ऊंचाई लगभग 13 फीट रखी गई है. झांकियों के निर्माण में प्लाई, फाइबर, थर्माकोल, पीओपी, कपड़ा, लकड़ी, पेड़ों के लिये प्लास्टिक की पत्तियां और अन्य सामग्री का उपयोग किया जा रहा है. इलेक्ट्रिकल लाइटिंग, साउंड सिस्टम और चलायमान मॉडल भी लगाए जा रहे हैं, जिससे झांकियां जीवंत नजर आएंगी.

**महाभारत समागम का 7 वां दिन** | भारत भवन के मंचों पर पंडवानी, सौगंधिका हरणम् एवं महाभारत का मंचन

# कठपुतली नाट्य में उभरी युद्ध की त्रासदी

**भोपाल, 22 जनवरी. भारत भवन में आयोजित महाभारत समागम के सातवें दिन गुरुवार को प्रसिद्ध रंगकर्मी अनुरूपा राय के निर्देशन में महाभारत की प्रभावशाली प्रस्तुति हुई, जिसे कठकला पपेट आर्ट्स ट्रस्ट, नई दिल्ली ने प्रस्तुत किया. इससे पहले पूर्व छत्तीसगढ़ की लोक परंपरा पर आधारित रितु वर्मा निर्देशित पंडवानी की प्रस्तुति ने लोक-संवेदना के साथ महाभारत कथा को जीवंत किया. वहीं अंतरंग सभागार में पियाल भट्टाचार्य के निर्देशन में संस्कृत नाट्य परंपरा से जुड़ा सौगंधिका हरणम् मंचित हुआ.**

अनुरूपा राय निर्देशित महाभारत प्रस्तुति कठपुतली कला के माध्यम से युद्ध, भाग्य, अहंकार और धर्म की गहरी त्रासदी को उजागर करती है. कथा के केंद्र में गांधारी, कृष्ण और बर्बरीक जैसे तीन प्रमुख पात्र हैं. गांधारी का जीवन त्याग और पीड़ा का प्रतीक है, जिसने अपने अंधे पति धृतराष्ट्र के साथ समानता के लिए जीवन भर आंखों पर पट्टी बांधे रखी. युद्ध के बाद पुत्रों के मृत शरीर देखने और कृष्ण को श्राप देने का प्रसंग दर्शकों को भावुक कर गया.

गुरुवार को भारत भवन के अभिरंग रंगमंच पर विशेष कठपुतली समारोह आयोजित किया गया. समारोह का शुभारंभ कोलकाता के डॉल्स थियेटर द्वारा प्रस्तुत प्रसिद्ध कठपुतली नाटक 'द आर्चर हू स्टूड अलोन' की प्रस्तुति से हुआ. जिसका निर्देशन सुदीप गुप्ता ने किया. एकलव्य पर आधारित इस प्रस्तुति में प्रतिभा, भक्ति और बलिदान के नैतिक द्वंद्व को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया. सामाजिक अस्वीकृति के बावजूद गुरु के प्रति समर्पण और कठोर साधना से एकलव्य महान धनुर्धर बनता है. गुरु-दक्षिणा में अंगूठा अर्पित करने का उसका त्याग दर्शकों को गहरे भाव से भर देता है. इसके साथ ही मानसिंह झाला निर्देशित आठवां की प्रस्तुति भी हुई.

### महाभारत समागम में आज

महाभारत समागम के आठवें दिन शुक्रवार को पूर्व रंग के मंच पर शाम 5 बजे पृथ्वीराज क्वाथर, उडुपी-कर्नाटक द्वारा यक्षगान, अंतरंग सभागार में निवेदिता महापात्रा द्वारा द्रौपदी, हिरोशी कोइके द्वारा निर्देशित नाट्य प्रस्तुति महाभारत एवं बहिरंग के मंच पर जयंत देशमुख निर्देशित मृत्युंजय की प्रस्तुति होगी.

# 63वां कला पर्व उत्सव में साहित्य संगीत साधकों का सम्मान

**दुष्यंत संग्रहालय में हुआ कार्यक्रम**

नवभारत प्रतिनिधि

**भोपाल, 22 जनवरी. कला और साहित्य समाज की चेतना को जीवित रखने का माध्यम हैं, यह बात दुष्यंत संग्रहालय में आयोजित 63वां कला पर्व उत्सव में कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे ऋषि कुमार मिश्र ने कही. कार्यक्रम का आयोजन अभिनव कला परिषद द्वारा किया गया.**

कार्यक्रम हीरक जयंती वर्ष के अंतर्गत आयोजित किया गया, जिसमें साहित्य और संगीत क्षेत्र के साधकों को सम्मानित किया गया. साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए डॉ विनिता चौबे, डॉ मीनू पांडेय नयन, शिफाली पांडेय, अभिलाषा अनुभूति, अनुलता राजनायर, सुशील कुमार पांडेय, मनीष बादल और चित्रांश बाघमारे को अभिनव शब्द शिल्पी अलंकरण से सम्मानित किया गया. इस अवसर पर प्रसिद्ध शहनाई वादक भास्कर नाथ को अभिनव संगीत रत्न सम्मान प्रदान किया गया. उनके शहनाई वादन के साथ रामेंद्र सिंह सोलंकी के तबले और कपिल की संगत में शास्त्रीय संगीत की प्रस्तुति कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रही. वहीं राग यमन की भावपूर्ण प्रस्तुति ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राजीव वर्मा और विशिष्ट अतिथियों में लता मुंशी, महेश श्रीवास्तव और पी सी शर्मा उपस्थित रहे. अतिथियों ने परिषद के कला संस्कृति और साहित्य के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की सराहना की. कार्यक्रम का संचालन विशाखा राजुलकर ने किया.

# वरिष्ठ पत्रकार ललित श्रीवास्तव का निधन अंत्येष्टि आज

**भोपाल.** वरिष्ठ पत्रकार और हिंदूवादी विचारक ललित श्रीवास्तव का गुरुवार सुबह भोपाल के हजेला अस्पताल में देहावसान हो गया. उनकी अंत्येष्टि शुक्रवार को की जाएगी. वे 71 वर्ष के थे. वह लम्बे समय से अस्वस्थ थे. उनके परिवार में दो पुत्रियां और एक पुत्र है. पत्नी का पूर्व में निधन हो चुका है. ललित जी ने पत्रकारिता का संघर्षशील जीवन जीया है. पत्रकारिता की रक्षा और गरिमा के लिए उन्होंने अपने स्वास्थ्य की भी फ़िक्र नहीं की .उन्होंने नवभारत में लम्बे समय कार्य किया. वे अत्यंत सहज, सरल, सादगी पसंद, उदार और सहृदय व्यक्ति थे.